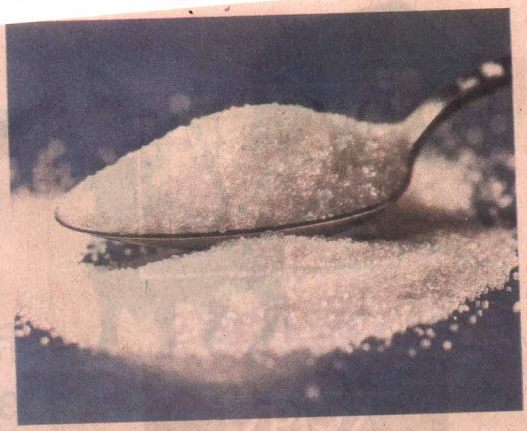

मौजूदा मार्केटिंग ईयर में हुआ 16 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट

[पीटीआई | नई दिल्ली]

भारत ने मार्केटिंग ईयर 2015-16 में अभी तक 16 लाख टन से ज्यादा चीनी का एक्सपोर्ट किया है, जो पिछले साल की पूरी अवधि के मुकाबले 46 फीसदी ज्यादा है। यह जानकारी इंडस्ट्री बॉडी ISMA ने दी है। शुगर का मार्केटिंग ईयर अक्टूबर से शुरू होता है। भारत ने 2014-15 के मार्केटिंग ईयर (अक्टूबर-सितंबर) में 11 लाख टन चीनी का एक्सपोर्ट किया था।

ब्राजील के बाद भारत दुनिया में चीनी का दूसरा बड़ा प्रोड्यूसर है लेकिन सबसे बड़ा कंज्यूमर है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा ने बताया, 'ISMA के पास उपलब्ध सूचना के मुताबिक 2015-16 सीजन में अभी तक करीब 16 लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट किया गया है।'

मार्केटिंग ईयर 2015-16 में शुगर प्रॉडक्शन के घटकर करीब 2.5 करोड़ टन रहने का अनुमान है, जबकि इससे पिछले साल में 2.83 करोड़ टन शुगर का प्रॉडक्शन हुआ था। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखा पड़ने के कारण अगले मार्केटिंग ईयर में शुगर का प्रॉडक्शन घटकर 2.3-2.4 करोड़ टन रह सकता है।

शुगर एक्सपोर्ट्स को सीमित करने के लिए फूड मिनिस्ट्री ने चीनी पर 25 फीसदी ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव रखा है ताकि घरेलू मार्केट में इसकी पर्याप्त सप्लाई बनी रहे। फूड मिनिस्टर रामविलास पासवान ने पिछले हफ्ते कहा था, 'शुगर के एक्सपोर्ट को नियंत्रण में रखने के लिए मंत्रालय ने इसके निर्यात पर 25 फीसदी कस्टम्स ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव रखा है।' फूड मिनिस्टर ने कहा था कि इंटरनेशनल मार्केट्स में चीनी की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ऐसे में ट्रेडर्स अपना प्रॉफिट बढ़ाने के लिए एक्सपोर्ट में तेजी ला सकते हैं। पासवान ने कहा कि प्रस्तावित कदम डोमेस्टिक मार्केट में चीनी की उपलब्धता को सुनिश्चित करेगा और कीमतें नियंत्रण में रहेंगी।